ST. ARNOLD'S CENTRAL SCHOOL, PUNE

PERIODIC TEST – 2, 2018-19

Std.: IX **SUBJECT : HINDI** **Marks : 80**

खंड 'क' – अपठित बोध

प्र. 1 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।** (09)

वर्षा ऋतु का नाम आते ही मन–मयूर नाच उठता है । भयंकर गर्मी से राहत मिलती है । ठंडी फुहारों से स्वर्गिक आनंद की अनुभूति होती है । सभी ऋतुओं में मनमोहक वर्षा ऋतु है । गर्मी की तपन के बाद वर्षा की फुहारों का आगमन बडा आनंददायी होता है । पशु–पक्षी और मानव ही नहीं, पेड़–पौधों पर भी इस ऋतु का प्रभाव पडता है । ऐसा लगता है मानो वीरान व बंजर जमीन पर रंग–बिरंगे फूल खिल उठे हों ।

वैशाख और ज्येष्ठ मास की भयंकर अगन के बाद आषाढ़ मास में मोरों की कूक से एहसास होता है कि बरसात की ऋतु आने वाली है । तब तक गर्मी से मन व्यथित हो चुका होता है । वर्षा शुरु होते ही खेत–खलिहानों में हरियाली शुरु हो जाती है । लोग धान की बुआई में व्यस्त हो जाते हैं । मोर जी भरकर नृत्य करते हैं । कोयल की कूक बड़ी सुहानी लगती है । बच्चे उत्साह से भर जाते हैं ।

अच्छी बरसात हो तो नर–नारियाँ झूम उठते हैं । खेतों में लबालब भरे पानी में धान की जुताई देखकर किसान का मन मुदित हो उठता है । ऐसा लगता है सारी प्रकृति एक नए अवतार में प्रकट हुई है । सब कुछ वर्षा में धुलकर नया–नया सा लगता है । अच्छी बरसात से धरती में पानी का स्तर बढ़ जाता है । सूखे कुएँ दोबारा पानी से भर जाते हैं ।

एक तरफ वर्षा ऋतु प्रसन्नतादायी अनुभूति देती है दूसरी तरफ इस ऋतु में कुछ समस्याएँ भी खड़ी हो जाती हैं । महानगरों में सीवर जाम हो जाते हैं, जिसके कारण सडकों पर नदी का–सा दृश्य दिखाई देता है । यातायात व्यवस्था चौपट हो जाती है । नदियों में बाढ़ आ जाती है जिससे गाँव के गाँव बर्बाद हो जाते हैं । जान–माल की बहुत हानि होती है । रास्ते बंद हो जाते हैं । अत्यंत परेशानी पैदा होती है ।

क) वर्षा ऋतु के आगमन को आनंददायी क्यों कहा गया है ? (02)
ख) वर्षा ऋतु के आगमन के बाद चारों ओर कैसा दृश्य दिखाई देता है ? (02)
ग) अच्छी बरसात होने के क्या लाभ है ? (02)
घ) वर्षा ऋतु में कौन–कौन सी समस्याएँ उठ खडी हो सकती हैं ? (02)
ड) गद्यांश में किन–किन हिंदी मासों का उल्लेख किया गया है ? (01)

प्र. 2 **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।** (06)

लाख मंदिर जा के घंटियाँ तू बजा,
लाख माथे पे तू तिलक लगा,
लाख तू आरती के थाल सजा,
सब व्यर्थ है बिटवा...
जो माँ–बाप का दिल तूने दिया दुखा ।
जो माँ–बाप का दिल तूने दिया रुला ।
लाख तू दान–पुण्य कमा,
लाख तू गंगा–स्नान को जा ।
लाख ग्रंथ–पोथी पढ़–पढ़ के तू सुना ।।
सब व्यर्थ बिटवा...
नतमस्तक हो जाता है वो दाता, वो परमेश्वर ।
कुछ करना है तो माँ–बाप की सेवा कर ।
जाग जाएगा तेरा सोया मुकद्दर ।।

क) काव्यांश का मुख्य उद्देश क्या है ? (02)
ख) कवि ने माता–पिता की सेवा के बगैर किन–किन कार्यों को व्यर्थ बताया है ? (02)
ग) कवि लोगों को क्या सलाह देता है ? (02)

खंड 'ख' – व्यावहारिक व्याकरण

प्र. 3 क) **निम्नलिखित शब्दों का वर्ण–विच्छेद कीजिए ।** (02)
शीर्षक, परिश्रमी

ख) **निम्नलिखित वर्णों के मेल से शब्द–निर्माण कीजिए ।** (02)
1) व् + इ + क् + र् + ए + त् + आ
2) प् + ऋ + ष् + ठ् + अ

प्र. 4 क) **दिए गए शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार लगाइए ।** (01)
यत्रणा, पडित

ख) **अनुनासिक के उचित प्रयोग वाले शब्द चुनिए ।** (01)
सुँदर, कहानियाँ, धुँआ, समस्याएँ

ग) **उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए ।** (01)
फरियाद, अंग्रेजी

प्र. 5 क) **निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए ।** (02)
दुर्जन, प्राध्यापक

ख) **निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त मूलशब्द और प्रत्यय अलग कीजिए ।** (02)
इच्छित, नाटकीय

ग) **निम्नलिखित शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग व प्रत्यय अलग कीजिए ।** (01)
स्वाभिमानी

प्र. 6 **निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम–चिह्न लगाइए ।** (03)
क) अतिथि ने कहा मै धोबी को कपडे देना चाहता हूँ
ख) हाय उस बेचारी का हाथ टूट गया
ग) उसने हिन्दी में बी ए एम ए की डिग्री प्राप्त की है

खंड 'ग' – पठित बोध

प्र. 7 **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।** (2 + 2 + 2 + 2 + 1) (09)
क) कर्नल खुल्लर ने बचेन्द्री पाल को उनकी सफलता पर बधाई देते हुए क्या बात कही ?
ख) कवियों की धारणा को लेखक ने युक्तिशून्य क्यों कहा है ? 'कीचड का काव्य' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए ।
ग) भगवाना अपने परिवार का निर्वाह कैसे करता था ? भगवाना की मृत्यु का उसके परिवार पर क्या प्रभाव पडा ?
घ) 'पंक' और 'पंकज' शब्द में क्या अंतर है ?
ड) बचेन्द्री ने सर्वप्रथम एवरेस्ट को कहाँ से निहारा था ?

प्र. 8 **मध्यमवर्गीय परिवारों में अतिथि का जल्दी वापस चले जाना सुखद क्यों है ? पठित पाठ के आधार पर लिखिए ।** (05)

प्र. 9 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (2 + 2 + 1) (05)

क) रहीम जी अपने मन की व्यथा को दूसरों पर न प्रकट करने की सलाह क्यों देते हैं ?
ख) 'मोती, मानुष, चून' के संदर्भ में पानी के महत्व को स्पष्ट कीजिए ।
ग) शांति की तलाश में अवध नरेश कहाँ गए ?

प्र. 10 निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए । (06)

क) जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै ।
नीचहु उच करै मेरा गोबिंदु काहू ते न डरै ।।

ख) दीरघ दोहा अरथ के आखर थोरे आहिं ।
ज्यों रहीम नट कुंडली, सिमिट कूदि चढ़ि जाहिं ।।

प्र. 11 'आदमीनामा' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए । (05)

प्र. 12 लेखिका को गिल्लू किस अवस्था में और कहाँ मिला ? लेखिका ने गिल्लू को मुक्त करना क्यों आवश्यक समझा और उसके लिए लेखिका ने क्या उपाय किया ? (05)

अथवा

'दृढ़ संकल्प से दुविधा की बेड़ियाँ कट जाती है ।' इस कथन के आधार पर दृढ़ संकल्प की महत्ता 'स्मृति' पाठ के संदर्भ में सिद्ध कीजिए । इससे आप क्या प्रेरणा ले सकते है ?

खंड 'घ' – लेखन

प्र. 13 दिए गए संकेत–बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए । (05)

क) **अशिक्षा : एक कलंक**
- शिक्षा बिना जीवन व्यर्थ
- जागरुकता और ज्ञान से दूर
- देश की तरक्की के लिए सरकार व समाज का प्रयास

ख) **विज्ञापन कला**
- विज्ञापन के युग में आए परिवर्तन
- वर्तमान युग में विज्ञापन का महत्त्व
- विज्ञापन का गलत प्रदर्शन एवं उपयोग

ग) **मूल्य वृद्धि**
- अर्थ
- मूल्य बढ़ने के कारण
- मूल्य वृद्धि के परिणाम
- नियंत्रण के उपाय

प्र. 14 गरमी के मौसम में पानी के संकट पर दो महिलाओं के बीच हुई बातचीत को लगभग 50 शब्दों में संवाद के रुप में लिखिए । (05)

प्र. 15 'नेचुरल फ्रूट जूस' कंपनी के लिए लगभग 25 से 50 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। (05)